हाईवे चैनल | रविवार, 25 जुलाई 2010

जल संरक्षण में अल्ट्राटेक का योगदान

तिल्दा-नेवरा, 25 जुलाई (हाईवे चैनल)। हिरमी स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र ने जन संरक्षण वैज्ञानिक पद्धति से सम्पादित कराने में तकनीकी सहयोग से चरणबद्ध योजना बनाएं है। अल्ट्राटेक हिरमी सीमेंट संयंत्र अपनी स्थापना के साथ ही ग्रामीण विकास निर्माण के माध्यम से जन संरक्षण एवं संवर्धन को गति प्रदान करने हेतु विभिन्न पहल की हैं। निकटवर्ती क्षेत्रों में जल संवर्धन के कार्यक्रमों को गति प्रदान हेतु वैज्ञानिक ढंग से संपादित करने तथा अधिक प्रभावी बनाने हेतु यूनिट हेड एस कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। वर्तमान तथा विगत वर्षो में निकटवर्ती क्षत्रों के 14 तालाबों में 19 बार गहरी करण कार्य कर तालाबों में जल संरक्षण क्षमता को बढ़ाया गया है। साथ ही एफ्रो (एफसन कार फुड प्रोडक्शन) राष्ट्रीय स्तर की एनजीओ में अध्ययन तथा तकनीकी सहयोग से चरण बद्ध योजना बनायी गयी। एफ्रो की अनुशंसा के आधार पर एक त्रिवर्षीय महत्वाकांक्षी योजना अर्न्तगत जल ग्रहण क्षेत्र में 20,00 रनिंग मीटर कंट्रूर मडिंग कार्य को पूरा कर वर्षा जल को संरक्षित किया जा रहा है। वर्षा जल हेतु बनायी गयी नालियों में 154 बोरवेल बाहर रिचार्ज शाह का निर्माण कर वर्षा जल से भूमिगत स्तर कर सीधे पुनर्भरण किया जा रहा है। वर्तमान तथा विगत वर्षो में निकटवर्ती गावों के 14 तालाबों में 19 बार गहरीकरण कार्य कर तालाबों में जल संरक्षण क्षमता कों बढ़ाया गया है साथ ही कुछ तालाबों में पानी के निकासी को नियंत्रित करने हेतु ऐड रेगुलेटर का निर्माण किया जा रहा है। अल्ट्राटेक हिरमी सीमेंट ने अपने सामाजिक उत्तर दायित्व को निभाते हुए स्टाप डेम का निर्माण उन्नीस जगह किया जिसमें 13 स्टाप डेमो में ग्रामीणों को जल के महत्व के प्रति और अधिक संवेदन शील एवं जागरूक बनाने हेतु मैगसेसे एवार्ड प्राप्त राजेन्द्र सिंह के कार्यक्षेत्र अलबर तथा कुरूक्षेत्र में गांव के प्रमुख व्यक्तियों के दल का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया। ग्रामीण स्तर पर वाटररोड मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण दिया तथा जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक प्रदर्शनी तथा फिल्म आदि का प्रदर्शन किया गया।